कोसी-मेची लिंक योजना का कार्य जल्द शुरू होगा

संजय झा बोले

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने कहा कि बिहार की महत्वाकांक्षी नदी जोड़ योजना कोसी-मेची लिंक का कार्य जल्द शुरू होगा। केंद्र व राज्य सरकार के विभागों से पर्यावरण सहित सभी तरह औपचारिक स्वीकृति मिल गई है। इस वर्ष बाढ़ की अवधि एक जून से 30 अक्टूबर तक मानी जाएगी।

मंत्री बुधवार को विधायक और विधान पार्षद का फीडबैक लेने के लिए आयोजित बैठक में बोल रहे थे। कहा कि पहली नदी जोड़ योजना के तहत कोसी मेची मुख्य लिंक नहर अररिया में पूर्वी कोसी मुख्य नहर के किमी 41.30 से निकल कर और 76.20 किमी की दूरी तय कर मेची नदी में किशनगंज में मिलेगी। इस योजना के पूर्ण होने से पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज और अररिया के 2 लाख 15 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलने के साथ-साथ बाढ़ से भी राहत मिलेगी। फीडबैक लेने के लिए बुधवार की सुबह के सत्र में पूर्णिया और सारण, जबकि दोपहर बाद के सत्र में दरभंगा, कोसी और भागलपुर प्रमंडल के विधायक एवं विधानपार्षद बैठक से जुड़े। इसमें मंत्री श्री झा के अलावा लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन और ग्रामीण कार्य मंत्री जयंत राज कुशवाहा ने अपने विभागों के कार्यों और तैयारियों की जानकारी दी।

बैठक में लघु जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव रवि मनुभाई परमार, सचिव संजय कुमार अग्रवाल, पथ निर्माण विभाग के सचिव संदीप कुमार आर पुडकलकट्टी, जल संसाधन विभाग के इंजीनियर इन चीफ (हेडक्वार्टर) रविंद्र कुमार शंकर, इंजीनियर इन चीफ (बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण) शैलेंद्र आदि मौजूद थे।

बाढ़ अवधि एक जून से 30 अक्टूबर तक मानी जाएगी

मंत्री ने बताया कि मौसम के व्यवहार में हो रहे बदलाव को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर बिहार में बाढ़ अवधि एक जून से 30 अक्टूबर तक मानी जाएगी। जल संसाधन विभाग एक जून से ही बाढ़ बचाव कार्यों की शुरुआत करेगा। वर्ष 2021 की बाढ़ अवधि में तटबंधों की निगरानी के लिए होमगार्ड की जगह हर किलोमीटर पर स्थानीय श्रमिकों को रखा गया था। इससे स्थानीय पंचायतों से 4000 लोगों को बाढ़ अवधि में रोजगार भी मिला। इस वर्ष भी बाढ़ अवधि में तटबंधों की निगरानी के लिए श्रमिकों की सहायता लेंगे। सुपौल के वीरपुर में भौतिकीय प्रतिमानन केन्द्र (फिजिकल मॉडलिंग सेंटर) के निर्माण से बाढ़ प्रबंधन एवं सिंचाई योजनाओं के लिए नदियों का अध्ययन कम खर्च और समय में हो सकेगा। उन्होंने कहा, दरभंगा एयरपोर्ट स्टेशन के चारों ओर रिंग बांध पर पीसीसी सड़क का निर्माण हो रहा है। परिसर से जल की निकासी के लिए एंटी फ्लड स्लुईस गेट भी बन रहा है।